N 918

Seat Number | | | | | | | |

2026 III 04 1100 -N 918- HINDI (COMPOSITE) (B) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H)

(REVISED COURSE)

Time : 2 Hours (Pages 11) Max. Marks : 40

सूचनाएँ :— (1) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1—गद्य : 12 अंक

1\. (अ) **निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** 6

राजेंद्र बाबू की वेशभूषा की ग्रामीणता तो और भी दृष्टि को उलझा लेती थी। खादी की मोटी धोती ऐसा फेंटा देकर बाँधी गई थी कि एक ओर दाहिने पैर पर घुटना छूती थी और दूसरी ओर बाएँ पैर की पिंडली। मोटे, खुरदुरे, काले बंद गले के कोट में ऊपर का भाग, बटन टूट जाने के कारण खुला था

और घुटने के नीचे का बटनों से बंद था। सर्दी के दिनों के कारण पैरों में मोजे जूते तो थे, परंतु कोट और धोती के समान उनमें भी विचित्र स्वच्छंदतावाद था। मिट्टी की परत से न जूतों के रंग का पता चलता था, न रूप का। गांधी टोपी की स्थिति तो और भी विचित्र थी। उसकी आगे की नोक बाईं भौंह पर खिसक आई थी और टोपी की कोर माथे पर पट्टी की तरह लिपटी हुई थी। देखकर लगता था मानो वे किसी हड़बड़ी में चलते-चलते कपड़े पहनते आए हैं, अतः जो जहाँ जिस स्थिति में अटक गया, वह वहीं उसी स्थिति में लटका रह गया।

(1) कारण लिखिए : 2

(i) राजेंद्र बाबू के बंद गले के कोट में ऊपर का भाग खुला था–

....

(ii) राजेंद्र बाबू के पैरों में मोजे-जूते थे–

....

(2) गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए : 2

(i) विलोम शब्द की जोड़ी–

.... × ....

(ii) प्रत्यययुक्त शब्द–

(1) ....

(2) ....

(3) 'आकर्षक व्यक्तित्व में वेशभूषा का महत्त्व' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। 2

Seat Number

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **6**

पानी : महाराज, ये लोग पहले की तरह पानी की रखवाली नहीं करते हैं। पशुओं को जोहड़ के भीतर तैरने छोड़ जाते हैं। पशु अपनी गंदगी तालाब में छोड़ जाते हैं। गाँव की दूसरी गंदगी भी तालाब में फेंक दी जाती हैं। नदियों में कारखानों की गंदगी व शहर के गंदे नाले का पानी छोड़ा जाता है। महाराज, मैं अपने आप गंदा नहीं होता। मुझसे शिकायत करने वाले ही गंदा और दूषित करते हैं।

महाराज : भाइयो, आपके पास इसका क्या जवाब है ? (लोग आपस में फुसफुसाकर बातें करते हैं, फिर उनमें से एक बोलता है।)

एक : महाराज, यह तो मान लिया पर कहीं बरसना, कहीं नहीं बरसना, यह तो इस पानी की मनमानी है।

पानी : नहीं, महाराज, मुझ पानी की मर्जी कहाँ चलती है। जिधर ढलान हो, जहाँ का माहौल अनुकूल हो, वहाँ मुझे जाना ही पड़ता है। इन लोगों ने पहाड़ियों को काटकर वहाँ मैदान बना दिए हैं। पेड़ काट डाले हैं। वन नष्ट कर दिए हैं। ऐसी जगह बरसात कैसे हो सकती है ? वर्षा न होने के लिए भी यही लोग जिम्मेदार हैं।

(1) एक/दो शब्दों में उत्तर लिखिए : 2

(*i*) इन्हें जोहड़ के भीतर तैरने छोड़ा जाता है..........

(*ii*) इनकी गंदगी नदियों में छोड़ी जाती है.........

(*iii*) इसे ढलान की ओर जाना ही पड़ता है.......

(*iv*) इन्हें काटकर मैदान बना दिए हैं.........

(2) (*i*) उपर्युक्त गद्यांश से कृदंत शब्द ढूँढ़कर लिखिए : 1

(1) ....

(2) ....

(*ii*) लिंग पहचानकर लिखिए : 1

शब्द	लिंग
वन	....
वर्षा	....

(3) 'जलसंवर्धन में हमारा योगदान' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। 2

5/N 918

Seat Number | | | | | | | |

विभाग 2—पद्य : 8 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **4**

जो कभी अपने समय को यों बिताते हैं नहीं,
काम करने की जगह बातें बनाते हैं नहीं,
आज-कल करते हुए जो दिन गँवाते हैं नहीं,
यत्न करने में कभी जो जी चुराते हैं नहीं।

काम को आरंभ करके यों नहीं जो छोड़ते,
सामना करके, नहीं जो भूलकर मुँह मोड़ते,
जो गगन के फूल बातों से वृथा नहिं तोड़ते,
संपदा मन से करोड़ों की नहीं जो जोड़ते।

(1) लिखिए : 2

समय को		काम करने की जगह ....
	कर्मवीर	
आज-कल करते हुए		यत्न करने में ....

(2) उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का **25** से **30** शब्दों में सरल अर्थ लिखिए। 2

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **4**

सोहत है चँदवा सिर मोर को, तैसिय सुंदर पाग कसी है।
वैसिय गोरज भाल बिराजत, जैसी हिये बनमाल लसी है॥
'रसखान' बिलोकत बौरी भई, दृग मूँदि कै ग्वालि पुकार हँसी है।
खोलि री घूँघट, खोलौं कहा, वह मूरति नैननि माँझ बसी है॥

सेस, गनेस, महेस, दिनेस, सुरेसहु जाहि निरंतर गावैं।
जाहि अनादि, अनंत, अखंड, अछेद, अभेद, सुबेद बतावैं॥
नारद से सुक व्यास रटें, पचिहारे तऊ पुनि पार न पावैं॥
ताहि अहीर की छोहरियाँ, छछिया भरि छाछ पै नाच नचावैं॥

(1) निम्नलिखित विधानों को पढ़कर सही **अथवा** गलत लिखिए : 2

(*i*) कृष्ण के सिर पर स्वर्णमुकुट है।

(*ii*) कृष्ण के हाथ पर वनमाला शोभायमान है।

(*iii*) कवि रसखान की आँखों में कृष्ण की मूर्ति बसी है।

(*iv*) नारद मुनि से लेकर शुक व्यास तक सभी प्रभु के नाम का निरंतर जाप करते हैं।

(2) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम **दो** पंक्तियों का **25** से **30** शब्दों में सरल अर्थ लिखिए। 2

7/N 918

Seat Number | | | | | | | |

विभाग 3—भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 8 अंक

3. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **8**

(1) मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए : 1

(*i*) परिक्षार्थी / परीक्षार्थि / परीक्षार्थी / परिक्षार्थि

(*ii*) विद्यापीठ / विद्‌यापीठ / विद्यापिठ / विद्‌यापिठ

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी **एक** अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1

(*i*) अरेरे!

(*ii*) ऊपर

(3) कृति पूर्ण कीजिए : 1

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
....	सम् + तोष	....
	अथवा	
निश्चल	....	....

P.T.O.

(4) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए : 1

(आगाह कर देना, खाली हाथ लौटना)

एक पहुँचे हुए आदमी ने आकर हमें सचेत कर दिया।

अथवा

मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए :

मुहावरा – चक्कर काटना

अर्थ –

वाक्य –

(5) (*i*) निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानकर लिखिए : 1

लोगों का बिल बनाते-बनाते अपना भी वेतन निकल जाता है।

(*ii*) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए : 1

(1) पानी अब निर्मल नहीं रहा है। (सामान्य भविष्यकाल)

(2) वह तुम्हें हमेशा बुरा-भला ही कहती है। (पूर्ण भूतकाल)

Seat Number | | | | | | | |

(6) वाक्य भेद तथा परिवर्तन : 2

(*i*) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए :

वह आदमी भी उस गाँव में रहने के लिए तैयार हो गया।

(*ii*) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए :

(1) यह एक भोले इनसान का विश्वास था। (निषेधार्थक)

(2) वहीं अटके रहे हो। (विस्मयार्थक वाक्य)

विभाग 4—रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 12 अंक

सूचना — आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

4. **सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए :** 12

(अ) (1) पत्रलेखन : 4

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए :

राम/रमा साहनी, 32, गणेश कॉलनी, सहकार नगर, पुणे से अपनी छोटी बहन कोमल साहनी, 22, क्रांती चौक, औरंगाबाद को समय का सदुपयोग समझाने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

प्रिशा/प्रांशु शर्मा, नवोदय विद्यालय, अंबाड, नाशिक से अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को खेल प्रतियोगिता में सम्मिलित होने हेतु चार दिन की छुट्टियों की माँग करते हुए पत्र लिखती/लिखता है।

(2) **कहानी लेखन :** 4

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 60 से 70 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए :

एक सज्जन – गुणवान पुत्र का बुरी संगति में फँसना – उपदेश व्यर्थ जाना – एक दिन पुत्र को लेकर बाजार जाना – आम की टोकरी खरीदना – टोकरी में एक सड़ा हुआ आम रखवाना – दूसरे दिन बेटे से टोकरी खुलवाना – सारे आम सड़े हुए पाना – पुत्र को समझाना – उसकी आँखें खुलना – ।

Seat Number

अथवा

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए :

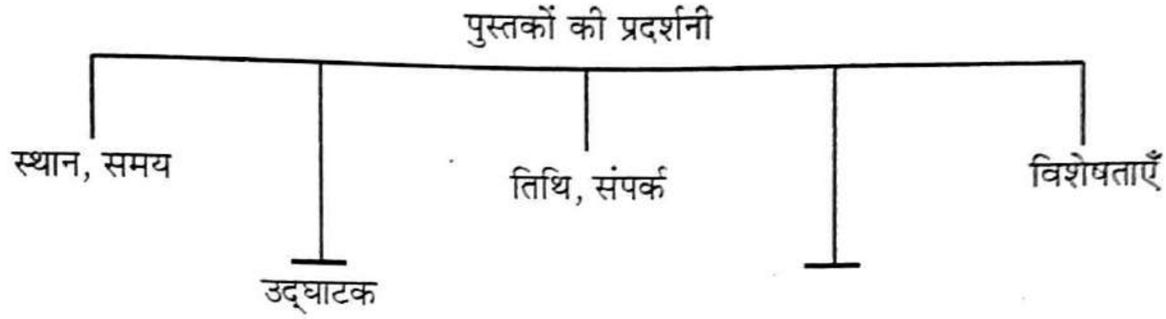

(आ) निबंध लेखन : 4

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर 60 से 70 शब्दों में निबंध लिखिए :

(1) यदि मोबाइल न होता..........

(2) मैं पृथ्वी बोल रही हूँ.........